

प्रश्न - पेपर 16

ता 21/1/1990

ज्ञानसार

मार्क्स 100

प्र. 1 A नीचेना पदवाली गाथाओ लरवी ! गमे ते - 5

मार्क्स 100

(1) तद्वस्तुम् (2) निर्वन्धी (3) किलेन्द्रियैः (4) दोषपद्भ्यः (5) सुन्दरी (6) वितन्वते

(B) नीचेना पदवाली गाथाओना मात्र अर्थ लरवी ! गमे ते - 5

(1) जगदेव (2) चतुर्विधम् (3) नीराजनाविधिम् (4) सुधालिहः (5) सानुबन्धा (6) अमूढलक्ष्या

प्र. 2 नीचेना पदोना गुजराती अर्थ लरवी ! गमे ते 45

मार्क्स 100

(1) ताटस्थ्यम् (2) उपबृंहकम् (3) रयात् (4) विशिष्य (5) कल्पनादवी (6) पुरस्कृते

(7) निदर्शने (8) स्नेहेन्धनः (9) जाह्नवी (10) दम्भोलिः (11) असंक्रम (12) गोरसात्

प्र. 3 नीचेना श्लोकोना भावार्थ समजावौ ! गमे ते 4

मार्क्स 125

(1) स्थिरता अष्टक श्लोक - 2 (2) ज्ञान अष्टक श्लोक - 8 (3) त्याग अष्टक श्लोक - 5

(4) निःस्पृह अष्टक श्लोक - 7 (5) क्रिया अष्टक श्लोक - 5

प्र. 4 [A] नीचेना पदो कया अष्टकनी कर गाथां आवे छे तेनी ते गाथा लरवी ! गमे ते - 5

(1) भवैदेकैक मुख्यता (2) मौनमेकेन्द्रियेष्वपि (3) कर्मस्कन्धोर्जितं तथा

(4) नीतं वैराग्य संपदे (5) न त्याज्यः स्यात्कदाचन (6) परेषां तु विपर्यय

[B] नीचेना जोडका जोडो

मार्क्स 9

(1) ज्ञानसारना कर्ता

अ

(1) कालिकाल सर्वज्ञ स्त्री हेमचंद्राचार्य

(2) 23 मा अष्टकनु नाम

ब

(2) नियाग

(3) हुं नथी मारुं नथी

(3) कर्मराजानो मंत्र

(4) आध्यात्मिक माता

(4) धर्मराजानो मंत्र

(5) मुनिभवावंतनुं नंदनवन

(5) समता

(6) अनुभवदशा

(6) लोकसंज्ञा त्याग

(7) आत्मरति

(8) उपाः श्री यशोव्रजयजी म. सा

(9) समाधि

(10) उजागरदशा

प्र. 5 नीचेना प्रश्नोना सुस्पष्ट जवाब लरवी ! गमे ते - 90

मार्क्स 25

(1) कैवा प्रकारनी धर्मक्रिया असती स्त्री जेवी छे ? कैवी रीते ?

(2) मोहमारक तीव्र शस्त्र कयुं ? ते जणावी कैवी भावनावालो जीव मोहराजानो गुलाम बनतो नथी ?

(3) ज्ञानाष्टकना आधारे सम्यग्ज्ञाननी महत्ता समजावौ ?

(4) कर-कर शङ्क्रियोना सेवनथी कोण नाश पाम्यु ? ते जणावी आध्यात्मिक कुटुम्ब जणावौ ?

(5) द्रव्यार्थिक तथा पर्यायार्थिक नय समजावी आत्मां कर्तृत्वभाव कैम घटतौ नथी ?

(6) विवेकाष्टकना अभ्यास द्वारा प्राप्त थयेल प्रेरणा लरवी ?

(7) अपुनर्बधक जीव कोने कहेवाय ते लरवी चारुसंजीवीनी न्यायनी घटना करे ?

(8) अनुश्रौत तथा प्रतिश्रौत समजावी कैवा प्रकारना साधु सुरवपूर्वक रही शके छे ?

(9) योगनी व्याख्या लरवी पांचेय योग टुकुमां समजावौ !

(१०) प्रीति-भक्ति अनुष्ठानको भेद समजावी भाव समजावी !

(११) सर्वनयामय अष्टकको सार समजावी ?

प्र. ६ आपणा जीवनमा व्यापीने रहेल कया कया दोषोने दुर करवा कया कया अष्टकको
आश्रय लेवी जरूरी छै ? ते स्पष्टतापूर्वक लखी ?

माक्स ९

९५

अक्षरशुद्धिना - ५

कुल १००

जवाब पत्र

प्र. १ [A] (१) २/६ (२) ५/२ (३) ७/२

(४) ११/४ (५) १७/५ (६) २२/२

[B] (१) २५/४ (२) २७/७ (३) २९/५

(४) ३०/७ (५) ३१/६ (६) ३२/४

प्र. २ (१) पेज नं. २३० (२) पे. नं. २२० (३) पे. नं. २१७ (४) पे. नं. १८६

(५) " १८३ (६) " १७० (७) " १६७ (८) " १५९

(९) " १५२ (१०) " १५७ (११) " १०७ (१२) " ७५

प्र. ३ (१) पेज नं. १४ (२) ५० (३) ५९ (४) ९५ (५) ६७

प्र. ४ (A) (१) ८८ (२) १०२ (३) ११९ (४) १५३

(५) १६५ (६) २३०

(B) (१) १-४ (२) २-६ (३) ३-५

(४) ५-७ (५) ५-९ (६) ६-१०

प्र. ५ (१) पेज नं. १८१ (२) पे. नं. २५ तथा आजुबाजुना श्लोकको अर्थ

(३) आखुं शानाष्टक (४) ५३ तथा ५५ गा. १-२-३

(५) ७६-७७ (६) १५ मुं अष्टक

(७) १२७-१२५ (८) १६५-१६८

(९) १८६-१८७ (१०) १९६